आईआईएम रायपुर

11वें दीक्षांत समारोह में 317 छात्रों को मिली डिग्री, 3 को गोल्ड मेडल

पत्रिका plus रिपोर्टर

रायपुर. आईआईएम रायपुर का 11वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को हुआ। समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी प्रोग्राम के 317 विद्यार्थियों को डिग्री मिली। इसमें 3 छात्रों को गोल्ड मेडल दिया गया। आयोजन में छात्र ब्लैक सूट और टाई में और छात्राएं साड़ी में नजर आ रही थीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किर्लोस्कर सिस्टम्स के चेयरमैन और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस चेयरमैन विक्रम किर्लोस्कर थे। किर्लोस्कर ने अपने हाथों से सभी छात्रों को डिग्री प्रदान की। कार्यक्रम में श्यामला गोपीनाथ, बीओजी, अध्यक्ष, आईआईएम रायपुर और प्रोफेसर राम कुमार कांकाणी, निदेशक आईआईएम रायपुर भी उपस्थित थे।

समारोह में पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम के 240 छात्रों और एमडब्ल्यूपी के पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम के 64 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा 4 साल के फुल टाइम पीएचडी कोर्स ऑफ फैलोशिप इन मैनेजमेंट के 8 छात्रों और ईएफपीएम के 5 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में अद्भुत प्रदर्शन के लिए 3 छात्रों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इनमें से पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम चेयर पर्सन का गोल्ड मेडल अनिरुद्ध परमार को दिया गया और डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल प्रशांत सिंह को दिया गया। वहीं मयंक तिवारी को बीओजी चेयर पर्सन और बेस्ट ओवरऑल परफारमेंस के क्षेत्र में 2 गोल्ड मेडल प्राप्त हुए।

हार्ड वर्क का कोई अल्टरनेटिव नहीं: मयंक

समारोह में एक साथ दो गोल्ड मेडल जीतकर मयंक तिवारी ने एक नया इतिहास रचा है। वे कहते हैं कि इस जीत से वे खुद आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने अपनी परीक्षा के लिए मेहनत तो काफ़ी की थी, पर एक साथ दो गोल्ड मेडल जीतने की उम्मीद उन्हें भी नहीं थी। वह अन्य छात्रों को यह संदेश दिया कि हार्ड वर्क का कोई दूसरा विकल्प नहीं होता। अपनी पढ़ाई की तैयारी करते समय मयंक के ऊपर अपनी जॉब की जिम्मेदारियां भी थी, लेकिन उनकी कड़ी मेहनत ने ही उनके लिए सब कुछ संभव बना दिया है। हालांकि उनका यह भी मानना है कि दिन भर किताबों में घुसे रहना ठीक नहीं है। मयंक स्वयं फोटोग्राफी में रुचि रखते हैं और उनका कहना है कि पढ़ाई से ब्रेक लेना और अन्य दूसरी चीजों पर भी काम करते रहना हमें जिंदगी में और भी ज़्यादा सफल बनाता है।

रेस्टोरेंट और होटल में खाना सर्व करता था

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि विक्रम एस किर्लोस्कर ने अपने करियर के शुरुआती दिनों की बातें छात्रों से साझा की। उन्होंने कहा कि करियर में कई मोड़ आते हैं, पर हमें सकारात्मक सोच बनाए रखना चाहिए। उन्होंने बताया अपने करियर के सफर की शुरुआत उन्होंने अमरीका में रेस्टोरेंट्स और होटल में खाना सर्व करने और अन्य ऐसे छोटे-मोटे कामों से की थी, पर उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और आज वे एक सम्मानित पोजीशन पर सबके सामने उपस्थित हैं।

Patrika, 15th June 2022, p.01(Patrika Plus)